B.A-3 - Ramayan me Sangeet

Objective type Short notes.

- रचना काल 500 ई० से 500 ई० तक माना गया है।
- रामायण को महाकाव्य माना गया है।
- रामायण की रचना आदि कवि वाल्मीकि ने की
- रामायण काल में गन्धर्व का काम गान तथा वीणा वादन था।
- अप्सराओं का कार्य इनके साथ नृत्य करना था।
- गन्धर्व में, विश्वासु हा हा, हु हु, नारद, पर्वत तथा तुम्बरु का ~~बार~~ बार-बार उल्लेख है।
- कहा जाता है कि भरद्वाज मुनि के आश्रम में भरत के स्वागत में संगीत का आयोजन किया जाता था।
- तुम्बरु का उल्लेख अप्सराओं के गान शिक्षक के रूप में हुआ है।

- उत्तरा कांड में विराट को पूर्व जन्म में तुम्बरु गन्धर्व बताया गया है।
- रामायण में राम तथा गान्धर्व में गहरा संबंध था।
- वाल्मीकि रामायण में विपंची जैसी प्राचीन वीणाओं एवं शुद्ध जातियों का वर्णन है।
- शुद्ध संगीत के लिए कहीं-कहीं शुद्ध गांधर्व की संज्ञा है, संगीतज्ञ के लिए - गांधर्व तत्वज्ञ शब्द प्रयुक्त है।
- वाल्मीकि रामायण में विपंची जैसी प्राचीन वीणाओं एवं शुद्ध जातियों का वर्णन है।